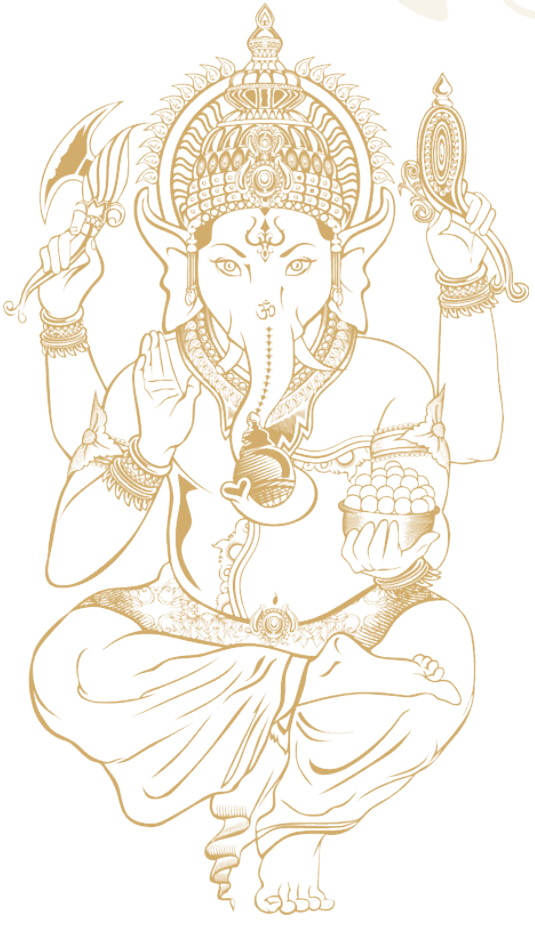

Doli hada

22 Oct 1997

10:15 PM

Jhalawar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121005603

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**22/10/1997**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**22:15:00 घंटे**
इष्ट	39:30:18 घटी
स्थान	**Jhalawar**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	24:36:00 उत्तर
रेखांश	76:09:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:25:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	21:49:36 घंटे
वेलान्तर	00:15:32 घंटे
साम्पातिक काल	23:54:12 घंटे
सूर्योदय	06:26:52 घंटे
सूर्यास्त	17:52:44 घंटे
दिनमान	11:25:52 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	05:29:26 तुला
लग्न के अंश	15:12:23 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**पुनर्वसु - 3**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	सिद्ध
करण	बालव
गण	देव
योनि	मार्जार
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	हा-हरीश
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	15:12:23	321:29:26	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	केतु	---
सूर्य			तुला	05:29:26	00:59:43	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	सूर्य	नीच राशि
चंद्र			मिथु	29:45:15	12:30:07	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	चंद्र	मित्र राशि
मंगल			वृश्चि	23:10:12	00:43:52	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	चंद्र	स्वराशि
बुध		अ	तुला	11:22:37	01:36:49	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	मित्र राशि
गुरु			मक	18:36:51	00:02:51	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	नीच राशि
शुक्र			वृश्चि	21:54:43	01:04:24	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	सूर्य	सम राशि
शनि	व		मीन	22:06:30	00:04:32	रेवती	2	27	गुरु	बुध	सूर्य	सम राशि
राहु	व		सिंह	25:09:03	00:00:56	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	25:09:03	00:00:56	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	शत्रु राशि
हर्ष			मक	10:56:26	00:00:25	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
नेप			मक	03:24:25	00:00:27	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
प्लूटो			वृश्चि	10:17:44	00:02:02	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	शुक्र	---
दशम भाव			मीन	04:35:35	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:30

लग्न-चलित

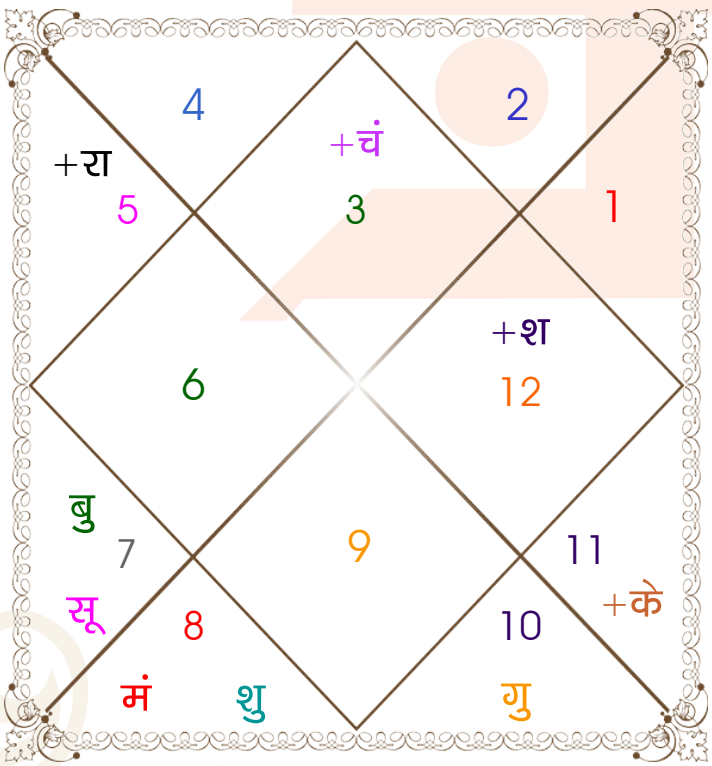

चन्द्र कुंडली

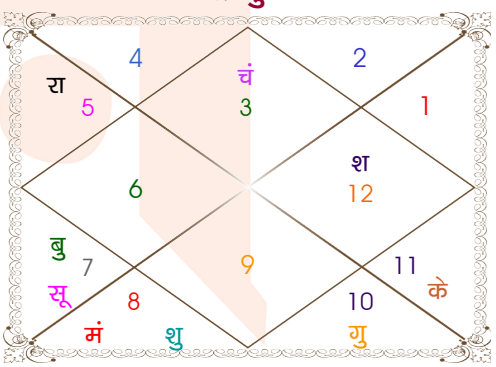

नवमांश कुंडली

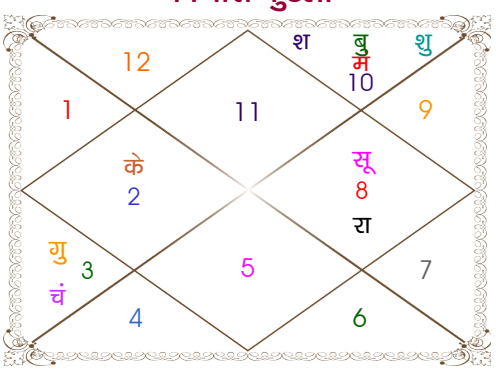

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 4 वर्ष 3 मास 16 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
22/10/1997		07/02/2002		07/02/2021		07/02/2038		07/02/2045	
07/02/2002		07/02/2021		07/02/2038		07/02/2045		07/02/2065	
	00/00/0000	शनि	10/02/2005	बुध	07/07/2023	केतु	06/07/2038	शुक्र	08/06/2048
	00/00/0000	बुध	21/10/2007	केतु	03/07/2024	शुक्र	05/09/2039	सूर्य	09/06/2049
	00/00/0000	केतु	29/11/2008	शुक्र	04/05/2027	सूर्य	11/01/2040	चंद्र	07/02/2051
	00/00/0000	शुक्र	30/01/2012	सूर्य	09/03/2028	चंद्र	11/08/2040	मंगल	09/04/2052
	00/00/0000	सूर्य	11/01/2013	चंद्र	09/08/2029	मंगल	07/01/2041	राहु	09/04/2055
	22/10/1997	चंद्र	12/08/2014	मंगल	06/08/2030	राहु	26/01/2042	गुरु	08/12/2057
चंद्र	09/10/1998	मंगल	21/09/2015	राहु	22/02/2033	गुरु	02/01/2043	शनि	07/02/2061
मंगल	15/09/1999	राहु	28/07/2018	गुरु	31/05/2035	शनि	11/02/2044	बुध	09/12/2063
राहु	07/02/2002	गुरु	07/02/2021	शनि	07/02/2038	बुध	07/02/2045	केतु	07/02/2065

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
07/02/2065		07/02/2071		07/02/2081		08/02/2088		08/02/2106	
07/02/2071		07/02/2081		08/02/2088		08/02/2106		00/00/0000	
सूर्य	28/05/2065	चंद्र	09/12/2071	मंगल	06/07/2081	राहु	21/10/2090	गुरु	28/03/2108
चंद्र	26/11/2065	मंगल	09/07/2072	राहु	25/07/2082	गुरु	15/03/2093	शनि	10/10/2110
मंगल	03/04/2066	राहु	08/01/2074	गुरु	30/06/2083	शनि	20/01/2096	बुध	15/01/2113
राहु	26/02/2067	गुरु	10/05/2075	शनि	08/08/2084	बुध	09/08/2098	केतु	21/12/2113
गुरु	15/12/2067	शनि	08/12/2076	बुध	06/08/2085	केतु	27/08/2099	शुक्र	21/08/2116
शनि	26/11/2068	बुध	09/05/2078	केतु	02/01/2086	शुक्र	28/08/2102	सूर्य	10/06/2117
बुध	02/10/2069	केतु	09/12/2078	शुक्र	04/03/2087	सूर्य	23/07/2103	चंद्र	23/10/2117
केतु	07/02/2070	शुक्र	08/08/2080	सूर्य	10/07/2087	चंद्र	21/01/2105		00/00/0000
शुक्र	07/02/2071	सूर्य	07/02/2081	चंद्र	08/02/2088	मंगल	08/02/2106		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 4 वर्ष 4 मा 4 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में, मिथुन लग्न, कुंभ नवमांश एवं तुला के द्रेष्काण के उदयकाल में हुआ था। वर्तमान काल के प्रभाव से यह स्पष्ट होता है कि आपका व्यक्तित्व विचित्र विलक्षणता से युक्त है। कुछ काल के पश्चात् मिथुन प्रभाव से आप तानाशाही प्रवृति के हो जाएंगे। आप अपनी पत्नी/पति पर प्रभुत्व जमाएंगे। कुंभ नवांश के प्रभाव से यह चित्रित हो रहा है कि आपका स्वभाव विनम्र होगा। आप अपने कार्य-कलाप का ज्ञान मात्र अपने ध्यान में रख कर किस प्रकार कार्य संपादन किया जाए। उसी प्रकार नियम पूर्वक संपादित करेंगे।

निसंदेह आप अपना पारिवारिक जीवन शांति पूर्वक एवं आनंददायक ढंग से बिताना चाहते हैं। आप अपने निवास स्थान पर रह कर, अपने व्यवसाय संबंध स्थापित करना चाहते हैं। आप चाहते हैं कि आपकी पत्नी आपकी वासनात्मक प्रवृत्ति की अनदेखी कर दे। यदि जीवन संगिनी निष्ठुरता पूर्वक आपमें कुकृत्यों को प्रमाणित कर लें तथा उग्र रूप धारण कर ले। पुनः आप अपने चयनित जीवन को व्यवस्थित कर लेंगे, वही उत्तम होगा। इसके संबंध में आपको अधिक सावधानी पूर्वक व्यवहार करना चाहिए। अच्छी बात तो यह होगी यदि आप चाहते हैं कि मेरी धर्मपत्नी जीवन संगिनी सर्वोत्कृष्ट हो, तो आप उस राशि लग्न वालों के साथ संबंध स्थापित करें कि जिसका जन्म लग्न या राशि तुला मेष, सिंह अथवा कुंभ राशि का प्राणी हो। इस प्रकार की प्रवृत्ति आपके पारिवारिक जीवन को संतुलित रखने में सुनिश्चितता प्रदान करने में सहायक हो सकता है।

बहुधा आर्द्रा नक्षत्रीय प्राणी की प्रवृत्ति हिंसात्मक होती है और ये कृतघ्न हुआ करते हैं। ये अनैतिकता एवं दूसरों को पीड़ित करने की प्रवृत्ति को त्याग दें। अन्यथा इस प्रकार के रूझान को सुव्यवस्थित नही कर सके तो प्रोत्साहन के बिना सदैव ही बहुत अधिक धनोपार्जन की महत्वाकांक्षा समाप्त हो जाएगी।

मिथुन राशि का प्राणी निरंतर व्यग्र रहता है, यह एक आवश्यक विषय है। ये किसी भी विषय वस्तु की प्राप्ति हेतु विद्युत गति से कार्यरंभ करना चाहते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते ही शीघ्रता पूर्वक परिणम प्राप्त करना चाहते हैं। ये अपनी दिनचर्या, विधि एवं विधान के संपादन हेतु अपने समय का उपभोग नही कर पाते हैं। अनुकूल परिणाम प्राप्ति हेतु निश्चय पूर्वक अपनी नियमित आदतों के अनुसार व्यवसाय को परिवर्तितकर शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। ये किसी भी प्रकार को निश्चित कार्य या पद संभालने में तथा कार्यरूप देने में असमर्थ हो जाते हैं।

यदि ये इस प्रकार की अपनी बुरी आदतों को छोड़ दें तो मुख्यतः 26 वर्ष की आयु से अपने उज्जवल भविष्य की ओर अपने जीवन को अग्रसर कर सकते हैं। अर्थात् अच्छी प्रकार जीवन व्यतीत हो सकता है। मिथुन लग्न राशि प्रभावित प्राणी के लिए अनुकूल कार्य, सेवा अथवा व्यवसाय के लिए पुस्तक संबंधी कार्य, विज्ञापन एवं प्रचार-प्रसार कार्य व्यवसाय अनुकूल है। यदि ये इनमें से कोई भी कार्य अपना लें तो वे पूर्णरूपेण उन्नतिशील एवं समृद्ध हो सकते

हैं।

मिथुन राशि वालों को कुछ भयानक रोग जैसे स्वर भंग रोग, क्षय रोग, दमा आदि रोगों के विरुद्ध सतर्क एवं रक्षित रहना चाहिए। ऐसे व्यक्ति यदा-कदा मुर्छित हो जाते हैं। क्योंकि ये एकनिष्ट होकर कठिन श्रम करते-करते उत्तेजना पूर्वक जीवन बिताने लगते हैं। इन्हें बुद्धिमत्ता पूर्वक शांति ग्रहण कर पूर्ण रूपेण विश्राम एवं शयन करना चाहिए।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए अंक 3 एवं 5 अंक शुभ एवं उत्तम है। अंक 8 एवं 4 अंक त्याज्यनीय है।

साथ ही लाल रंग एवं काले रंग को अस्वीकृत करें। यद्यपि रंग बैगनी, नीला हरा एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल एवं व्यवहारणीय है।